संख्या-08/2019/1099/71-4-2019-जी0एन-18/2017

प्रेषक,

डा0 रजनीश दुबे,
प्रमुख सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

निदेशक,
राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
कासना, ग्रेटर नोएडा।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-4 **लखनऊ : दिनाँक 04 सितम्बर, 2019**

विषय:- वित्तीय वर्ष 2019-20 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत मानक मद 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र मद में स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष रू0 13,68,63,000 (रूपया तेरह करोड अड़सठ लाख तिरसठ हजार मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-जी0आई0एम0एस0/2019/2197, दिनांक 03-07-2019 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 में अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान,कासना, ग्रेटर नोएडा में विभिन्न विभागों में उपकरण के क्रय हेतु मानक मद-26 मशीने सज्जा/उपकरण संयंत्र मद में स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष रू0 13,68,63,000 (रूपया तेरह करोड अड़सठ लाख तिरसठ हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति का अनुरोध किया गया है।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान,कासना, ग्रेटर नोएडा हेतु मानक मद 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष उपकरणों की पूर्व अनुमोदित सूची (प्रति संलग्न) के उपकरणों के क्रय किये जाने हेतु रू0 13,68,63,000 (रूपया तेरह करोड अड़सठ लाख तिरसठ हजार मात्र) की धनराशि अवमुक्त किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते है:-

1. वास्तविक आवश्यकता/उपयोगिता के आधार पर ही संबंधित उपकरणों के क्रय की कार्यवाही संस्थान स्तर से नियमानुसार की जाएगी। सुसंगत वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना निदेशक एवं वित्त अधिकारी का दायित्व होगा।
2. धनराशि का आहरण तभी किया जाएगा, जब उपकरण क्रय संबंधी समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति संस्थान द्वारा कर ली जाये।
3. धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार किया जाएगा तथा इसे आहरित कर किसी बैंक/डाकघर /पी0एल0ए0 आदि में नहीं रखा जाएगा।
4. वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 22.03.2019 में उल्लिखित दिशा निर्देशों का पूर्ण अनुपालन किया जाएगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

5. उपकरणो का क्रय वित्तीय हस्तपुस्तिकाओं खण्ड-5 भाग-1 उ0प्र0 प्रक्योरेमेण्ट मैनुअल एवं उद्योग विभाग द्वारा समय-समय पर जारी होने वाले व्यय संबंधी आदेशों में दी गयी व्यवस्था/प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा, इसमे किसी भी प्रकार का विचलन वित्तीय अनियमितता का द्योतक होगा। भण्डार क्रय संबंधी नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
6. प्रस्तावित उपकरणों की गुणावत्ता मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी निदेशक/वित्त अधिकारी /संबंधित विभागाध्यक्ष की होगी।
7. प्रश्नगत उपकरणों की स्थापना के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाएगा कि इनके रखने के पर्याप्त स्थान एवं इनके संचालन हेतु दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध है।
8. संबंधित उपकरण/संयंत्र की क्रय प्रक्रिया में ई-प्रोक्योरमेन्ट/ई-टेन्डरिंग प्रणाली से संबंधित शासनादेशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा
9. क्रय किये जाने वाले उपकरण चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1 द्वारा निर्गत उपकरणों के क्रय संबंधी विभिन्न शासनादेशों के अनुसार ही उपकरण क्रय किये जाएगें।
10. उपकरणों का क्रय सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त कर किया जाएगा। किसी भी स्थिति में स्वीकृति धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय नहीं किया जाएगा।
11. क्रय किये जाने वाले उपकरणों की वित्तीय स्वीकृति का उपयोगिता प्रमाण-पत्र (क्रयादेश/उपकरण स्थापना की सूचना सहित) यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जाएगा।
12. दर अनुबन्ध/निविदा निर्गत होने से पूर्व वित्त नियंत्रक द्वारा मुख्य चिकित्साअधीक्षक/ संबंधित विभागाध्यक्ष से इस आशय का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिया जायेगा कि प्रस्तावित उपकरण किसी एक विशेष कम्पनी की विशिष्टिया न हो तथा बाजार में उपलब्ध उच्च स्तर की कम्पनियों की विशिष्टताओं का यथासम्भव समावेश किया जाए।
13. वित्त नियंत्रक द्वारा सी0वी0सी0 एवं वित्त मंत्रालय भारत-सरकार द्वारा समय-समय पर इस संबंध में निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
14. निदेशक/वित्त नियंत्रक द्वारा क्रय हेतु भण्डार क्रय नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
15. प्राइज जस्टीफिकेशन संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराना निदेशक/वित्त अधिकारी/विभागाध्यक्ष/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की जिम्मेदारी होगी। उपकरणों के अनुरक्षण, अधिष्ठापन आदि तथ्यों का नियमानुसार प्रक्रियात्मक अनुपालन किया जाय।
16. संस्थान के वित्त नियंत्रक/वित्त अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगें कि उपकरणों का क्रय किये जाने में व्यापक प्रचार प्रसार किया गया हो और उपकरणों का क्रय न्यूनतम मूल्य पर किया जाय।
17. उक्त उपकरणों का क्रय किये जाने के संबंध में समस्त औपचारिकताएं नियमानुसार पूर्ण किये जाने के पश्चात, यदि उपकरण क्रय के पश्चात धनराशि की बचत होती है तो उसे चालू वित्तीय वर्ष में क्रय किये जाने वाले अन्य उपकरण में तदनुसार समायोजित किया जाएगा।
18. क्रय किये जाने वाले उपकरणों की कुल लागत स्वीकृति धनराशि रू013,68,63,000 (रूपया तेरह करोड अड़सठ लाख तिरसठ हजार मात्र) की सीमा के अन्तर्गत ही होगी और संस्थान

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

की विभागवार अति आवश्यकता एवं एम0सी0आई0 के मानक के अनुसार ही उपकरणों का क्रय सुनिश्चित किया जाएगा।

19. भविष्य में ऐसे प्रकरणों में समयबद्ध रूप से कार्यवाही की जाएगी, जिससे जिस वित्तीय वर्ष में धनराशि अवमुक्त की जाए, उसी वित्तीय वर्ष में उसका व्यय सुनिश्चित किया जाए।

20. धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार एवं व्यय नियमानुसार किया जायेगा तथा इसका उपयोग उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी अन्य मद में व्यय वित्तीय अनियमितता मानी जायेगी।

21. धनराशि को व्यय किये जाने के पूर्व वित्त अधिकारी, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, कासना, ग्रेटर नोएडा द्वारा बिलों पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त किये जाएगें।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 के आय-व्ययक अनुमान अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एंव प्रशिक्षण) के पूंजी लेखा लेखाशीर्षक "4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-03-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-14-राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र" के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2019/बी-1-170/दस-2019-231/2019, दिनॉक 22 मार्च, 2019 में प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(डा0 रजनीश दुबे)
प्रमुख सचिव।

संख्या:-08/2019/1099(1)**/71-4-2019 तद्दिनांक।**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
2. प्रधान महालेखाकार, (सिविल आडिट) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
3. कोषाधिकारी, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर।
4. महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ।
5. वित्त अधिकारी,राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा
6. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग-4/ वित्त् (आय-व्ययक) अनुभाग-2
7. निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 इलाहाबाद।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(अनिल कुमार सिंह)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in